केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, दिल्ली
इतिहास (027) अंकन योजना
कक्षा XII 2023-2024

अवधि: 3 घंटे **पूर्णांक: 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न पत्र में पाँच खण्ड हैं- खण्ड क, खण्ड ख, खण्ड ग, खण्ड घ एवं खण्ड ङ। इसमें कुल 34 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. **खण्ड 'क'** - प्रश्न संख्या 1 से 21 तक 1 अंक वाले बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।
3. **खण्ड 'ख'** - प्रश्न संख्या 22 से 27 तक में 3 अंक वाले लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 60-80 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
4. **खण्ड 'ग'** - प्रश्न संख्या 28 से 30 तक में 8 अंक वाले दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर 300-350 शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।
5. **खण्ड 'घ'** - प्रश्न संख्या 31 से 33 तक में 4 अंक वाले स्रोत आधारित प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न में तीन उप-भाग हैं।
6. **खण्ड 'ङ'**- प्रश्न संख्या 34 एक मानचित्र आधारित प्रश्न है जो 5 अंकों का है जिसमें महत्वपूर्ण परीक्षण मदों को पहचानना एवं स्थान अंकित करना शामिल है। मानचित्र को प्रश्न पत्र से सावधानी- पूर्वक अलग करके उत्तर-पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।
7. कोई समग्र विकल्प नहीं है, तथापि कुछ प्रश्नों में आतंरिक विकल्प दिए गए हैं। इनमें से किसी एक विकल्प का उत्तर दीजिए।
8. इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं।

	मूल्य बिंदु	**अंक**
प्रश्न सं.	**खण्ड-क** **(बहुविकल्पीय प्रश्न)**	**21×1=21**
1.	**खिलाफत आंदोलन की मुख्य माँग क्या थी?** (क) भारत के लिए डोमिनियन स्टेटस की माँग (ख) भारत के लिए स्वशासन की माँग (ग) तुर्की के खलीफ़ा की पुनर्स्थापना	**1**

	(घ) इस्लाम के रुढ़िवादी संस्कृति का पुनरुत्थान **उत्तर: (ख) तुर्की के खलीफ़ा की पुनर्स्थापना (पृष्ठ सं.-290)**	
2.	**निम्नलिखित में से किस मुद्दे ने 1857 के विद्रोह के प्रसार में मदद नहीं की?** (क) कारतूस के मुद्दे ने (ख) भारतीयों के ईसाई धर्म में परिवर्तन ने (ग) आटे में हड्डी का चूरा मिलाना (घ) भारतीय महिलाओं के अपमान ने **उत्तर: (घ) भारतीय महिलाओं के अपमान ने (पृष्ठ सं.-264)**	**1**
3.	**निम्नलिखित में से कौन सातवाहन वंश का सबसे प्रसिद्द शासक था?** (क) यज्ञश्री सातकर्णी (ख) सिमुक सातकर्णी (ग) गौतमी पुत्र श्री-सातकर्णी (घ) वाशिष्ठ्पुत्र सातकर्णी **उत्तर: (ग) गौतमी पुत्र श्री-सातकर्णी (पृष्ठ सं.-63)**	**1**
4.	**चित्र की पहचान नीचे दिए गए विकल्पों में से कीजिए-** (क) एक सातवाहन शासक की मृणमूर्ति (ख) कलिंग युद्ध करता हुआ अशोक (ग) महाभारत के एक दृश्य को दर्शाती हुई मृणमूर्ति (घ) अर्जुन को ज्ञान देते हुए कृष्ण की एक मूर्ति **उत्तर: (ग) महाभारत के एक दृश्य को दर्शाती हुई मृणमूर्ति (पृष्ठ सं.-55)** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 4 के स्थान पर दी गई है।** **महाभारत के उपदेशात्मक (सूचनात्मक) खंड 200-400 ई. के मध्य जोड़े गए। ये पाठ मुख्यतः किससे मिलते-जुलते हैं?** (क) सुत्त पिटक (ख) मनुस्मृति (ग) ऋग्वेद (घ) उपनिषद	**1**

	उत्तर: (ख) मनुस्मृति **(पृष्ठ सं.-75)**	
5.	**दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।** **अशोक ने अपनी यात्रा की याद में .... में एक स्तंभ का निर्माण करवाया।** (क) सारनाथ (ख) साँची (ग) बोध गया (घ) लुंबिनी **उत्तर: (घ) लुंबिनी** **(पृष्ठ सं.-96)**	**1**
6.	**हड़प्पा सभ्यता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से सही कथन की पहचान कर सही विकल्प चुनिए।** I. इसका सबसे अनूठा पहलु शहरी केन्द्रों का विकास था। II. बस्ती दो भागों में विभाजित था- दुर्ग और निचला शहर। III. जल निकासी व्यवस्था साधारण एवं अनियोजित थी। IV. सड़कों को 'ग्रिड पद्धति' में नहीं बनाया गया था। **विकल्प:** (क) केवल I सही है। (ख) केवल I एवं II सही हैं। (ग) केवल II एवं III सही हैं। (घ) केवल III एवं IV सही हैं। **उत्तर: (ख) केवल I एवं II सही हैं।** **(पृष्ठ सं.-5)**	**1**
7.	**नीचे दिए गए प्रश्न में दो कथन- एक संकल्पना (A) और दूसरा कारण (R) दिए गए हैं। इन कथनों को पढ़िए और सही विकल्प का चयन कीजिए।** **संकल्पना (A):** अशोक ने प्रजा एवं अधिकारियों तक पहुँचाने के लिए अपना संदेश शिलाओं पर उत्कीर्ण करवाया। **कारण (R):** वह यह चाहता था कि लोग यह जाने कि उन्हें किस धम्म का पालन करना चाहिए। **विकल्प:** (क) संकल्पना (A) एवं कारण (R) दोनों सहीं हैं एवं कारण (R), संकल्पना (A) की सही व्याख्या है। (ख) संकल्पना (A) एवं कारण (R) दोनों सहीं हैं परन्तु कारण (R), संकल्पना (A) की सही व्याख्या नहीं है। (ग) संकल्पना (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है। (घ) संकल्पना (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है। **उत्तर: (ग) संकल्पना (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।** **(पृष्ठ सं.-32)**	**1** **CB**
8.	**दी गई जानकारियों के आधार पर शिल्प केंद्र की पहचान कीजिए।** ➢ दोनों समुद्र तट के समीप स्थित थे। ➢ ये शंख से बनी वस्तुओं के के निर्माण के विशिष्ट केंद्र थे। (क) चान्हुदड़ो एवं मोहनजोदड़ो	**1**

(ख) नागेश्वर एवं बालाघाट
(ग) हड़प्पा एवं लोथल
(घ) भरूच एवं धौलावीरा

उत्तर: (ख) नागेश्वर एवं बालाघाट **(पृष्ठ सं.- 11)**

9. **'किताब-उल-हिंद' पुस्तक की रचना किसने की?** (अंक: 1)

(क) इब्नबतूता
(ख) अलबरूनी
(ग) फ्रांस्वा बर्नियर
(घ) अब्दुल रज़्ज़ाक

उत्तर: (ख) अलबरूनी **(पृष्ठ सं.-125)**

10. **निम्नलिखित कथनों में से सही कथन वाले विकल्प का चयन कीजिए।** (अंक: 1)

(क) प्रारंभ में मगध की राजधानी पाटलिपुत्र थी।
(ख) चन्द्रगुप्त मगध के आरंभिक राजाओं में से एक था जिसने 6 ई. पु. में शासन किया था।
(ग) छठी ई. पू. में मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया।
(घ) मौर्या वंश का संस्थापक अशोक था।

उत्तर: (ग) छठी ई. पू. में मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद बन गया। **(पृष्ठ सं.-31)**

11. **निम्नलिखित कथनों को पढ़िए एवं दिए गए विकल्पों में से उस स्थान की पहचान कीजिए जहाँ यह दरगाह मौजूद है।** (अंक: 1)

i. यहाँ शेख मोईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह है।
ii. अकबर ने इस स्थान की कई बार यात्रा की।

(क) दिल्ली
(ख) महरौली
(ग) अजमेर
(घ) फतेहपुर सीकरी

उत्तर: (ग) अजमेर **(पृष्ठ सं.-156)**

12. **1861 में अमेरिकी गृह युद्ध के छिड़ने के पश्चात ब्रिटेन के कारखानों के लिए कपास का स्रोत क्या था?** (अंक: 1)

(क) अमेरिका
(ख) अफ्रीका
(ग) भारत
(घ) श्रीलंका

उत्तर: (ग) भारत **(पृष्ठ सं.-249)**

13. **निम्नलिखित सूचियों का मिलान कीजिए।** (अंक: 1)

	सूची 1		**सूची 2**
अ	लार्ड कॉर्नवालिस	I.	पर्यवेक्षक
आ	ऑगस्टस क्लीवलैंड	II.	अर्थशास्त्री

	<table><tr><td>इ</td><td>फ्रांसिस बुकानन</td><td>III.</td><td>बंगाल का गवर्नर जनरल</td></tr><tr><td>ई</td><td>डेविड रिकार्डो</td><td>IV.</td><td>शांति स्थापना की नीति</td></tr></table> **अ** **आ** **इ** **ई** (क) II I IV III (ख) I III II IV (ग) III IV I II (घ) III II I IV **उत्तर: (ग) A-III, B-IV, C-I, D-II** **(पृष्ठ सं.-229)**	
14.	**बिहार में 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?** (क) नाना साहेब (ख) मौलवी अहमदुल्लाह (ग) कुँवर सिंह (घ) बिरजिस क़द्र **उत्तर: (ग) कुँवर सिंह** **(पृष्ठ सं.-262)**	**1**
15.	**मुग़ल शासन में द्वारा भू-राजस्व के इंतज़ाम में. निर्धारित रकम को .... जबकि वसूली गई रकम को .... कहा जाता था।** (क) इक्ता, जागीर (ख) जमा, हासिल (ग) नगदी, इक्ता (घ) ज़ब्ती, जमा **उत्तर: (ख) जमा, हासिल** **(पृष्ठ सं.-213)**	**1**
16.	**निम्नलिखित में से किसने पंद्रहवी शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की थी और विजयनगर की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ था?** (क) दौर्ते बार्बोसा (ख) कॉलिन मैकेंज़े (ग) अब्दुल रज्ज़ाक (घ) डोमिंगो पायस **उत्तर: (c) अब्दुल रज्ज़ाक** **(पृष्ठ सं.-177)**	**1**
17.	**अबुल फज़ल किस मुग़ल बादशाह का दरबारी इतिहासकार था?** (क) हुमायूँ (ख) अकबर (ग) बाबर (घ) जहाँगीर **उत्तर: (ख) अकबर** **(पृष्ठ सं.-217)**	**1**

18.	**विजयनगर शासकों के द्वारा दशहrरे का त्यौहार काफी धूमधाम एवं प्रतिष्ठा से .... में मनाया जाता था।** (क) हज़ारा राम मंदिर (ख) विरूपाक्ष मंदिर (ग) लोटस (कमल) महल (घ) महानवमी डिब्बा **उत्तर: (घ) महानवमी डिब्बा (पृष्ठ सं.-181)**	1
19.	**संविधान सभा में अधिकारों को परिभाषित करने का कार्य क्यों कठिन था?** (क) अधिकारों को लेकर अलग-अलग समूहों की अलग-अलग माँगें थी। (ख) अंग्रेज़ इसे संवैधानिक ढाँचे में शामिल नहीं करना चाहते थे। (ग) कुछ वर्गों के लिए विशेष अधिकारों के विचार का गाँधी ज़ी ने विरोध किया। (घ) रियासतों के लोगों के अधिकार अस्पष्ट थे। **उत्तर: (क) अधिकारों को लेकर अलग-अलग समूहों की अलग-अलग माँगें थी। (पृष्ठ सं.-319)**	1 **CB**
20.	**नीचे दी गई जानकारी के आधार पर व्यक्ति की पहचान कीजिए-** i. उसका जन्म तैनजियर के एक अति सभ्रांत एवं शिक्षित परिवार में हुआ था। ii. उसके अनुसार यात्राओं के द्वारा प्राप्त अनुभव पुस्तकों से प्राप्त ज्ञान की अपेक्षा अधिक होता है। iii. उसने मध्य-पूर्व एवं पूर्वी अफ्रीका के कुछ बंदरगाहों की यात्रा की। iv. उसने 'रेहला' नमक पुस्तक लिखी। (क) इब्नबतूता (ख) फ्रांस्वा बर्नियर (ग) अलबरूनी (घ) डोमिगो पायस **उत्तर: (क) इब्नबतूता (पृष्ठ सं.-118)**	1
21.	**किस सत्याग्रह के द्वारा महात्मा गाँधी ने फसल खराब होने की स्थिति में किसानों के लिए कर माफ़ी की माँग की थी?** (क) रॉलेट सत्याग्रह (ख) चंपारण सत्याग्रह (ग) खेड़ा सत्याग्रह (घ) नमक सत्याग्रह **उत्तर: (c) खेड़ा सत्याग्रह (पृष्ठ सं.-289)**	1
	खण्ड- ख **(लघु-उत्तरीय प्रश्न)**	**6x3=18**
22.	**हड़प्पा के शवाधान स्थलों की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** **उत्तर: (पृष्ठ सं.-9)** (i) हड़प्पा स्थलों से मिले शवाधानों में आमतौर पर मृतकों को गर्तों में दफनाया गया था।	3

	(ii) कभी-कभी शवाधान गर्त की बनावट एक-दुसरे से भिन्न होती थी- कुछ स्थानों पर गर्त की सतहों पर इंटों की चिनाई की गई थी। (iii) कुछ कब्रों में मृदभाण्ड तथा आभूषण मिले हैं जो संभवतः मृत्युपरांत जीवन की मान्यता की ओर संकेत करते हैं। (iv) कुल मिलकर ऐसा लगता है कि हड़प्पा के निवासियों का मृतकों के साथ बहुमूल्य वस्तुएँ दफनाने में विश्वास नहीं था। (v) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है।)** **अथवा** **हड़प्पा बस्तियों में प्रयुक्त 'विशाल स्नानागारों' की किन्हीं तीन विशेषताओं का वर्णन कीजिए।** **उत्तर:** **(पृष्ठ सं.-8)** (i) विशाल स्नानागार आँगन में बना एक आयताकार जलाशय है जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ है। (ii) जलाशय के तल तक जाने के लिए इसके उत्तरी और दक्षिणी भाग में दो सीढियाँ बनी थी। (iii) जलाशय के किनारों पर ईंटों को जमाकर तथा जिप्सम के गारे के प्रयोग से इसे जलबद्ध किया गया था। (iv) इसके तीनो ओर कक्ष बने हुए थे जिनमें से एक में एक बड़ा कुआँ था। जलाशय से पानी एक बड़े नाले में बह जाता था। (v) इसके उत्तर में एक गली के दूसरी ओर एक अपेक्षाकृत छोटी सरंचना थी जिसमें आठ स्नानघर बनाए गए थे। (vi) एक गलियारे के दोनों ओर चार-चार स्नानघर बने थे। प्रत्येक स्नानघर से नालियाँ, गलियारे के साथ-साथ बने एक नाले में मिलती थीं। (vii) इस संरचना का अनोखापन तथा दुर्ग क्षेत्र में कई विशिष्ट संरचनाओं के साथ इनके मिलने से इस बात का स्पष्ट संकेत मिलता है कि इसका प्रयोग किसी प्रकार के विशेष आनुष्ठानिक स्नान के लिए किया जाता था। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिंदुओं का वर्णन अपेक्षित है।)**	**3**
23.	**भारत के राजनीतिक एवं आर्थिक इतिहास को समझने में अभिलेखीय साक्ष्यों की सीमाओं की आलोचनात्मक परख कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-49)** **उत्तर:** (i) यद्यपि कई हज़ार अभिलेख प्राप्त हुए हैं लेकिन ना तो सभी के अर्थ निकाले जा सके हैं ना हीं प्रकाशित या उनके अनुवाद किए जा सके हैं। (ii) इनके अतिरिक्त और अनेक अभिलेख रहे होंगे जो कालान्तर में सुरक्षित नहीं बचे हैं। (iii) अभिलेख हमेशा उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते हैं जो उन्हीं बनवाते थे।	**3** **CB**

	(iv) खेती की दैनिक प्रक्रियाएँ और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के सुख-दुःख का उल्लेख अभिलेखों में नहीं मिलता है। (v) बीसवीं शताब्दी के मध्य से आर्थिक परिवर्तन, विभिन्न सामाजिक समुदायों के उदय के विषय महत्वपूर्ण बन गए जिसने प्राचीन स्रोतों पर पुनर्विचार करने पर बल दिया। (vi) इस प्रकार भारत के राजनीतिक एवं आर्थिक इतिहास को समझने में अभिलेखीय साक्ष्यों की सीमा सीमित हीं है। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**	
24.	**'चौदहवी शताब्दी के दौरान भारत में संचार की एक अनूठी प्रणाली थी।' इब्नबतूता के इस कथन की परख कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-129)** **उत्तर:** (i) चौदहवीं शताब्दी के दौरान भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशला को देखकर इब्नबतूता चकित था। (ii) उसके अनुसार इससे व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी। (iii) डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहाँ सिंध से दिल्ली की यात्रा में पचास दिन लगते थे वहीं गुप्तचरों को ख़बरें सुलतान तक यह मात्र पाँच दिनों में पहुँच जाती थी। (iv) भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था प्रचलित थी। पहला, अश्व डाक व्यवस्था- जिसे *'उलुक'* कहा जाता था, हर चार मील की दूरी पर स्थापित राजकीय घोड़ों द्वारा संचालित होती थी। दूसरा, पैदल डाक व्यवस्था- जिसके प्रति मील तीन अवस्थान होते थे जिसे *'दावा'* कहा जाता था। (v) हर तीन मील पर घनी आबादी वाला एक गाँव होता था जिसके बाहर तीन मंडप होते थे जहाँ लोग कार्य आरम्भ करने के लिए तैयार बैठे होते थे। (vi) हरेक के पास दो हाथ लंबी एक छड़ होती थी जिसके ऊपर तांबे की घंटियाँ लगी होती थी। (vii) जैसे हीं संदेशवाहक यात्रा आरंभ कर वहाँ तक पहुँचता था वहाँ के लोग उससे पत्र लेकर फिर अगले 'दावा' तक दौड़ लगाता था और यह प्रक्रिया गंतव्य तक पहुँचने तक चलता रहता था। (viii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं की परख अपेक्षित है।)**	**3**
25.	**विजयनगर साम्राज्य में लागू किए गए 'अमर नायक व्यवस्था' की मुख्य विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-175)** **उत्तर:** (i) *'अमर नायक'* प्रणाली विजय नगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी।	**3**

	(ii) ऐसा प्रतीत होता है की इस प्रणाली के कई तत्व दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से लिए गए थे। (iii) अमर-नायक सैनिक कमांडर थे जिन्हीं राय द्वारा प्रशासन के लिए राज्य क्षेत्र दिए जाते थे। (iv) वे किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भू राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। वे राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग तथा घोड़ों आरै हाथियों के निर्धारित दल के रख-रखाव के लिए अपने पास रख लेते थे। (v) ये दल विजयनगर शासकों को एक प्रभावी सैनिक शक्ति प्रदान करने में सहायक होते थे जिसकी मदद से उन्होंने पूरे दक्षिणी प्रायद्वीप को अपने नियंत्रण में किया। (vi) राजस्व का कुछ भाग मन्दिरों तथा सिंचाई के साधनों के रख-रखाव के लिए खर्च किया जाता था। (vii) अमर-नायक राजा को वर्ष में एक बार भेंट भेजा करते थे और अपनी स्वामिभक्ति प्रकट करने के लिए राजकीय दरबार में उपहारों के साथ स्वयं उपस्थित हुआ करते थे। (viii) राजा कभी-कभी उन्हें एक से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर उन पर अपना नियंत्रण दर्शाता था पर सत्रहवीं शताब्दी में इनमें से कई नायकों ने अपने स्वतंत्र राज्य स्थापित कर लिए। इस कारण केंद्रीय राजकीय ढाँचे का विघटन तेजी से होने लगा। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)**	
26.	**'बर्दवान में की गई नीलामी की घटना, जो एक विशाल सार्वजनिक समारोह थी, में एक अज़ीब पेंच था।' कथन की परख कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-228)** **उत्तर:** (i) सन् 1797 में बर्दवान में एक नीलामी की गई। यह एक बड़ी सार्वजनिक घटना थी। बर्दवान के राजा द्वारा धारित अनेक महल , भू-संपदाएँ बेचे जा रहे थे। (ii) सन् 1793 में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू हो गया था। ईस्ट इंडिया वंफपनी ने राजस्व की राशि निश्चित कर दी थी जो प्रत्येक ज़मींदार को अदा करनी होती थी। जो ज़मींदार अपनी निश्चित राशि नहीं चुका पाते थे उनसे राजस्व वसूल करने के लिए उनकी संपदाएँ नीलाम कर दी जाती थीं। (iii) चूँकि बर्दवान के राजा पर राजस्व की बड़ी भारी रकम बकाया थी, इसलिए उसकी संपदाएँ नीलाम की जाने वाली थीं। (iv) नीलामी में बोली लगाने के लिए अनेक ख़रीददार आए थे और संपदाएँ-महल सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को बेच दी गईं। (v) लेकिन कलेक्टर को तुरंत ही इस सारी कहानी में एक अजीब पेंच दिखाई दे गया। उसे जानने में आया कि उनमें से अनेक ख़रीददार, राजा के अपने ही नौकर या एजेंट थे और उन्होंने राजा की ओर से ही ज़मीनों को ख़रीदा था। (vi) नीलामी में 95 प्रतिशत से अधिक बिक्री फ़र्ज़ी थी। वैसे तो राजा की ज़मीनें खुले-तौर पर बेच दी गई थीं पर उनकी ज़मींदारी का नियंत्रण उसी के हाथों में रहा था। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	**3**

	(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)	
27.	**1857 की क्रांति के पूर्व के वर्षों में भारतीय सिपाहियों एवं उनके वरिष्ठ अंग्रेज़ अधिकारियों के संबंधों में महत्वपूर्ण बदलाव आए थे।' उदाहरणों के द्वारा कथन की पुष्टि कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-269)** **उत्तर:** (i) 1857 के जनविद्रोह से पहले के सालों में सिपाहियों के अपने गोरे अफसरों के साथ रिश्ते काफी बदल चुके थे। (ii) 1820 के दशक में अंग्रेज़ अफसर सिपाहियों के साथ दोस्ताना ताल्लुकात रखने पर ख़ासा जोर देते थे। वे उनकी मौज-मस्ती में शामिल होते थे, उनके साथ मल्ल-युद्ध करते थे, उनके साथ तलवारबाज़ी करते थे और उनके साथ शिकार पर जाते थे। उनमें से बहुत सारे तो बख़ूबी हिंदुस्तानी बोलना जानते थे और यहाँ के रीति-रिवाजों व संस्कृति से वाकिफ थे। उनमें अफसर की कड़क और अभिवावक का स्नेह, दोनों निहित थे। (iii) 1840 के दशक में स्थिति बदलने लगी। अफसरों में श्रेष्ठता का भाव पैदा होने लगा और वे सिपाहियों को कमतर नस्ल का मानने लगे। वे उनकी भावनाओं की ज़रा सा भी फिक्र नहीं करते थे। गाली-गलौज और शारीरिक हिंसा सामान्य बात बन गई। सिपाहियों व अफसरों के बीच फासला बढ़ता गया। भरोसे की जगह संदेह ने ले ली। चिकनाई युक्त कारतूसों की घटना इसका एक बढ़िया उदाहरण थी। (iv) यह भी याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि उत्तर भारत में सिपाहियों और ग्रामीण जगत के बीच गहरे संबंध थे। बंगाल आर्मी के सिपाहियों में से बहुत सारे अवध और पूर्वी उत्तर प्रदेश के गाँवों से भर्ती होकर आए थे। उनमें से बहुत सारे ब्राह्मण या ऊँची जातियों के थे। बल्कि अवध को तो 'बंगाल आर्मी की पौधशाला' कहा जाता था। सिपाहियों के परिवार अपने इर्द-गिर्द जिन बदलावों को देख रहे थे और उन्हें जो ख़तरे दिखाई दे रहे थे वे जल्दी ही सिपाही लाइनों में भी दिखाई देने लगे। (v) दूसरी ओर, कारतूसों के बारे में सिपाहियों का भय, छुट्टियों के बारे में उनकी शिकायतें, बढ़ते दुर्व्यवहार और नस्ली गाली-गलौज के प्रति बढ़ता असंतोष गाँवों में भी प्रतिबिंबित होने लगा था। (vi) सिपाहियों और ग्रामीण जगत के बीच मौजूद इन संबंधों से जनविद्रोह के रूप-रंग पर गहरा असर पड़ा। जब सिपाही अपने अफसरों की अवज्ञा करते थे और हथियार उठाते थे तो फौरन ही गाँवों में उनके भाई-बिरादर भी उनके साथ आ जुटते थे। हर कहीं किसान शहरों में पहुँचकर सिपाहियों और शहर के आम लोगों के साथ जुड़ कर विद्रोह के सामूहिक कृत्य में शामिल हो रहे थे। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं तीन बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)** **अथवा** **'ये गिलास फल (चेरी) एक दिन हमारे हीं मुँह में आकर गिरेगा' यह कथन किसने कहा था?**	**3**

	उन घटनाओं का क्रमवार वर्णन कीजिए जिसके कारण 'चेरी' आखिरकार ब्रिटिश शासकों के मुँह में गिर गया। **(पृष्ठ सं.-296)** **उत्तर:** (i) 1851 में **गवर्नर जनरल लॉर्ड डलहौज़ी** ने अवध की रियासत के बारे में कहा था कि 'गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।' पाँच साल बाद, 1856 में इस रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित कर दिया गया। (ii) रियासत पर कब्ज़े का यह सिलसिला ज़रा लंबा चला। 1801 से अवध में सहायक संधि थोप दी गई थी। इस संधि में शर्त थी कि नवाब अपनी सेना ख़त्म कर दे, रियासत में अंग्रेज़ टुकड़ियों की तैनाती की इजाज़त दे और दरबार में मौजूद ब्रिटिश रेज़ीडेंट की सलाह पर काम करे। (iii) अपनी सैनिक ताकत से वंचित हो जाने के बाद नवाब अपनी रियासत में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिनोदिन अंग्रेजों पर निर्भर होता जा रहा था। अब विद्रोही मुखियाओं और ताल्लुक्दारों पर उसका कोई नियंत्रण नहीं था। (iv) अवध पर कब्ज़े में अंग्रेजों की दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी। उन्हें लगता था कि वहाँ की ज़मीन नील और कपास की खेती के लिए मुफीद है और इस इलाके को उत्तरी भारत के एक बड़े बाज़ार के रूप में विकसित किया जा सकता है। (v) 1850 के दशक की शुरुआत तक वे देश के ज्यादातर बड़े हिस्सों पर जीत हासिल कर चुके थे। मराठा भूमि, दोआब, कर्नाटक, पंजाब और बंगाल, सब अंग्रेजों की झोली में थे। (vi) तकरीबन एक सदी पहले बंगाल पर जीत के साथ शुरू हुई क्षेत्रीय विस्तार की यह प्रक्रिया 1856 में अवध के अधिग्रहण के साथ मुकम्मल हो जाने वाली थी। (vii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।	**1+2=3** **CB**
	खण्ड- ग **(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)**	**3x8=24**
28.	**आरंभिक समाजों के सामाजिक प्रथाओं एवं मानदंडों के अध्ययन में इतिहासकारों के लिए महाभारत एक अमूल्य स्रोत है।' कथन की पुष्टि कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-55)** **उत्तर:** (i) महाभारत एक गतिशील महाकाव्य है जिसमें युद्धों, जंगलों, महलों और बस्तियों का सजीव वर्णन है। (ii) इसकी वृद्धि इसकी भाषा से बाधित नहीं हुई थी। (iii) सदियों से इसे दुनिया की कई भाषाओं में लिखा गया है। (iv) यह एक ओर लोगों और समुदायों के बीच और दूसरी ओर लेखकों के बीच चल रहे संवाद को दर्शाता है। (v) इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्पन्न कई कहानियों को शामिल किया गया है। (vi) महाकाव्य की मुख्य कहानी अक्सर अलग-अलग तरीकों से दोहराई जाती थी। (vii) इस ग्रन्थ की कई कड़ियों को मूर्तियों और चित्रों में चित्रित किया गया है।	**8**

	(viii) वे नाटकों, नृत्यों और आख्यानों जैसे विषयों और प्रदर्शन कलाओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं आठ बिन्दुओं का वर्णन अपेक्षित है।)** **अथवा** **ग्रंथों का विश्लेषण करते समय इतिहासकार किन तत्वों पर विचार करते हैं? महाभारत के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-72-73)** **उत्तर:** (i) इतिहासकार किसी ग्रंथ का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। (ii) वे इस बात का परीक्षण करते हैं कि ग्रंथ किस भाषा में लिखा गया: पालि, प्राकृत अथवा तमिल, जो आम लोगों द्वारा बोली जाती थी अथवा संस्कृत जो विशिष्ट रूप से पुरोहितों और खास वर्ग द्वारा प्रयोग में लाई जाती थी। (iii) इतिहासकार ग्रंथ के प्रकार पर भी ध्यान देते हैं। क्या यह ग्रंथ 'मंत्र' थे जो अनुष्ठानकर्ताओं द्वारा पढ़े और उच्चरित किए जाते थे अथवा ये 'कथा ग्रंथ' थे जिन्हें लोग पढ़ और सुन सकते थे तथा दिलचस्प होने पर जिन्हें दुबारा सुनाया जा सकता था? (iv) इसके अलावा इतिहासकार लेखकों के बारे में भी जानने का प्रयास करते हैं जिनके दृष्टिकोण और विचारों ने ग्रंथों को रूप दिया। (v) इन ग्रंथों के श्रोताओं का भी इतिहासकार परीक्षण करते हैं क्योंकि लेखकों ने अपनी रचना करते समय श्रोताओं की अभिरुचि पर ध्यान दिया होगा। (vi) इतिहासकार ग्रंथ के संभावित संकलन/ रचना काल का विश्लेषण करते है। (vii) इसके अतिरिक्त इतिहासकार ग्रंथ की रचनाभूमि का भी विश्लेषण करते हैं। (viii) इन सब मुद्दों का जायज़ा लेने के बाद ही इतिहासकार किसी भी ग्रंथ की विषयवस्तु का इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए इस्तेमाल करते हैं। (ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं आठ बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**8** **CB**
29.	**उन साक्ष्यों की परख कीजिए जिनसे पता चलता है कि मुग़ल राजकोषीय व्यवस्था के लिए भू-राजस्व महत्वपूर्ण था।** **(पृष्ठ सं.-213)** **उत्तर:** (i) जमीन से मिलने वाला राजस्व मुगल साम्राज्य की आर्थिक बुनियाद थी। इस कारण से, कृषि उत्पादन पर नियंत्रण रखने के लिए और तेज़ी से फैलते साम्राज्य के तमाम इलाकों में राजस्व आकलन व वसूली के लिए यह ज़रूरी था कि राज्य एक प्रशासनिक तंत्र खड़ा करे। (ii) दीवान, जिसके दफ़्तर पर पूरे राज्य की वित्तीय व्यवस्था के देख-रेख की जिम्मेदारी थी, इस तंत्र में शामिल था। (iii) इस तरह हिसाब रखने वाले और राजस्व अधिकारी खेती की दुनिया में दाखिल हुए और कृषि संबंधों को शक्ल देने में एक निर्णायक ताकत के रूप में उभरे।	**8**

(iv) लोगों पर कर का बोझ निर्धारित करने से पहले मुगल राज्य ने जमीन और उस पर होने वाले उत्पादन के बारे में खास किस्म की सूचनाएँ एकत्रित करने की कोशिश की।

(v) भू-राजस्व के इंतज़ामात में दो चरण थे: पहला, कर निर्धारण और दूसरा, वास्तविक वसूली। जमा निर्धारित रकम थी और हासिल सचमुच वसूली गई रकम।

(vi) अकबर ने यह हुक्म दिया कि अमील-गुशार को कोशिश करनी चाहिए कि खेतिहर नकद भुगतान करे, वहीं फसलों में भुगतान का विकल्प भी खुला रहे। राजस्व निर्धारित करते समय राज्य अपना हिस्सा ज्यादा से ज्यादा रखने की कोशिश करता था।

(vii) अकबर के शासन काल में अबुल फज़ल ने आइन में ऐसी ज़मींनों के सभी आंकड़ों को संकलित किया। उसके बाद के बादशाहों के शासनकाल में भी ज़मीन की नपाई के प्रयास जारी रहे।

(viii) मसलन, 1665 ई. में, औरंगज़ेब ने अपने राजस्व कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि हर गाँव में खेतिहरों की संख्या का सालाना हिसाब रखा जाए। इसके बावजूद सभी इलाकों की नपाई सफलतापूर्वक नहीं हुई।

(ix) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।

(किन्हीं आठ बिन्दुओं का विश्लेषण अपेक्षित है।)

अथवा

मुग़लकालीन कृषक समाज में जमींदारों की स्थिति की व्याख्या कीजिए। **8**

(पृष्ठ सं.-211)

उत्तर:

(i) जमींदार ज़मीन के मालिक होते थे और जिन्हें ग्रामीण समाज में ऊँची हैसियत की वजह से कुछ खास सामाजिक और आर्थिक सुविधाएँ मिली हुई थीं।

(ii) जमींदारों की बढ़ी हुई हैसियत के पीछे एक कारण जाति था दूसरा कारण यह था कि वे लोग राज्य को कुछ खास किस्म की सेवाएँ देते थे।

(iii) जमींदारों की समृद्धि की वजह थी उनकी विस्तृत व्यक्तिगत ज़मीन जिन्हें मिल्कियत या संपत्ति कहते थे।

(iv) मिल्कियत ज़मीन पर जमींदार के निजी इस्तेमाल के लिए खेती होती थी। अकसर इन ज़मीनों पर दिहाड़ी के मज़दूर या पराधीन मजदूर काम करते थे।

(v) अपनी मर्ज़ी के मुताबिक इन जमींनों को बेच सकते थे, किसी और के नाम कर सकते थे या उन्हें गिरवी रख सकते थे।

(vi) जमींदारों की ताकत इस बात से भी आती थी कि वे अकसर राज्य की ओर से कर वसूल कर सकते थे। इसके बदले उन्हें वित्तीय मुआवज़ा मिलता था।

(vii) सैनिक संसाधन उनकी ताकत का एक और ज़रिया था। ज्यादातर जमींदारों के पास अपने किले भी थे और अपनी सैनिक टुकड़ियाँ भी जिसमें घुड़सवारों, तोपखाने और पैदल सिपाहियों के जत्थे होते थे।

(viii) इस तरह, अगर हम मुगलकालीन गाँवों में सामाजिक संबंधों की कल्पना एक पिरामिड के रूप में करें, तो जमींदार इसके संकरे शीर्ष का हिस्सा थे।

(ix) अबुल फज़ल इस ओर इशारा करता है कि ऊँची जातियों के ब्राह्मण-राजपूत गठबंधन ने ग्रामीण समाज पर पहले ही अपना ठोस नियंत्रण बना रखा था।

	(x) इसमें तथाकथित मध्यम जातियों की भी ख़ासी नुमाइंदगी थी और इसी तरह कई मुसलमान जमींदारों की भी। (xi) समसामयिक दस्तावेजों से ऐसा लगता है कि जंग में जीत जमींदारों की उत्पत्ति का संभावित स्रोत रहा होगा। अकसर जमींदारी फैलाने का एक तरीका था ताकतवर सैनिक सरदारों द्वारा कमजोर लोगों को बेदखल करना। मगर इसकी संभावना कम ही है कि किसी जमींदार को इतने आक्रामक रुख की इजाज़त राज्य देता हो जब तक कि एक राज्यादेश (सनद के ज़रिये) इसकी पुष्टि पहले ही नहीं कर दी गई हो। (xii) इससे भी महत्त्वपूर्ण थी जमींदारी को पुख्ता करने की धीमी प्रक्रिया। स्रोतों में इसके दस्तावेज़ भी शामिल हैं। ये कई तरीके से किया जा सकता था- नयी ज़मीनों को बसाकर (जंगल-बारी), अधिकारों के हस्तांतरण के ज़रिये, राज्य के आदेश से, या फिर खरीद कर। (xiii) यही वे प्रक्रियाएँ थीं जिनके ज़रिये अपेक्षाकृत 'निचली जातियों' के लोग भी जमींदारों के दर्जे में दाखिल हो सकते थे, क्योंकि इस काल में जमींदारी धड़ल्ले से खरीदी और बेची जाती थी। (xiv) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु **(किन्हीं आठ बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	
30.	**'भारत छोड़ो आंदोलन वास्तव में एक जन-आंदोलन था' कथन को न्यायसंगत कीजिए।** **(पृष्ठ सं.-303)** **उत्तर:** (i) क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ अपना तीसरा बड़ा आंदोलन छेड़ने का फैसला लिया। (ii) अगस्त 1942 में शुरू हुए इस आंदोलन को 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नाम दिया गया था। (iii) गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया एक्ट 1935 की विफलता से असंतोष। (iv) गाँधी जी एवं अन्य महत्वपूर्ण नेताओं को फौरन गिरफ्तार कर लिया गया था। (v) लेकिन देश भर के युवा कार्यकर्ता हड़तालों और तोड़-फोड़ की कार्रवाइयों के जरिए आंदोलन चलाते रहे। (vi) कांग्रेस में जयप्रकाश नारायण जैसे समाजवादी सदस्य भूमिगत प्रतिरोध गतिविधियों में सबसे ज्यादा सक्रिय थे। (vii) पश्चिम में सतारा और पूर्व में मेदिनीपुर जैसे कई जिलों में 'स्वतंत्र सरकार' की स्थापना कर दी गई थी। (viii) अंग्रेजों ने आंदोलन के प्रति काफी सख्त रवैया अपनाया फिर भी इस विद्रोह को दबाने में सरकार को साल भर से ज्यादा समय लग गया। (ix) यहआंदोलन सही मायने में एक जनांदोलन था जिसमें लाखों आम हिंदुस्तानी शामिल थे। (x) इस आंदोलन ने युवाओं को बड़ी संख्या में अपनी ओर आकर्षित किया। उन्होंने अपने कॉलेज छोड़कर जेल का रास्ता अपनाया। (xi) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं आठ बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)** **अथवा**	**8**

	गाँधी ज़ी के राजनीतिक जीवन एवं राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास के पुनर्निर्माण में विभिन्न प्रकार के स्रोतों की परख कीजिए। (पृष्ठ सं.-307) **उत्तर:** राष्ट्रवाद के इतिहास में, अक्सर एक व्यक्ति को एक राष्ट्र के निर्माण के साथ जोड़ा जाता है। महात्मा गांधी को भारतीय राष्ट्र का 'पिता' माना गया है। गांधीजी के राजनीतिक जीवन और राष्ट्रवादी आंदोलन के इतिहास का पुनर्निर्माण करने लिए कई तरह के स्रोत हैं- (i) सार्वजनिक स्वर और निजी लेखन (ii) गांधीजी और उनकी राजनीतिक भूमिका पर उनके समकालीनों के लेखन एवं भाषण। (iii) देश के राजनीति के बारे में और निजी विचारों पर कार्मिक और निजी पत्र। (iv) समकालीन प्रकाशित पत्रिकाएँ। (v) आत्मकथाएँ। (vi) पुलिसकर्मियों और अधिकारियों द्वारा लिखित गोपनीय रिकॉर्ड। (vii) अंग्रेज़ी एवं विभिन्न भारतीय भाषाओँ में छपने वाले समकालीन समाचार पत्र। (viii) गृह मंत्रालय विभाग द्वारा तैयार किए गए रिकॉर्ड। (ix) इलाकों और आम लोगों से जानकारी। (x) गांधी की तस्वीरों से पता चलता है कि लोग उन्हें किस तरह से देखते थे। (xi) विभिन्न प्रांतों की पाक्षिक रिपोर्ट। (xii) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **(किन्हीं आठ बिन्दुओं की व्याख्या अपेक्षित है।)**	**8** **CB**
	खण्ड- घ **(स्रोत आधारित प्रश्न)**	**3 x 4 = 12**
31.	**महल के बाहर की दुनिया** जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण *उत्तराध्ययन सूत्र* नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पति को संन्यास लेने के लिए समझा रही है: 'अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफरत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफरत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी... जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पक्षियों की तरह जाते हैं... इस विशाल राज्य का परित्याग करो... इंद्रिय सुखों से नाता तोड़ो, निष्काम अपरिग्रही बनो, तत्पश्चात तेजमय हो घोर तपस्या करो... ' **(पृष्ठ सं.-88)** **(31.1) उस व्यक्ति की पहचान कीजिए जिसने राजा को संन्यास लेने के लिए समझाया? (1)** **उत्तर:** रानी कमलावती ने राजा को संन्यास के के समझाया था।	**1+2+1=4**

	(31.2) 'हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा।' कथन में धम्म का क्या अर्थ है एवं अनुयायी के द्वारा किसकी शिक्षाओं का अनुसरण किया जा रहा है? (2) **उत्तर:** (i) धम्म "सत्य" को संदर्भित करता है, जो किसी को भी बचा सकता है अन्यथा और कोई नहीं। (ii) शिष्या महावीर के उपदेशों का पालन कर रही थी। **(31.3) 'स्वतंत्र उड़ते हुए पक्षियों की तरह जाते हैं....' कथन महावीर की शिष्या द्वारा किस परिपेक्ष्य में कही गई? (1)** **उत्तर:** जिसने सांसारिक सुखों को त्याग दिया है, वह हवा की तरह बहेगा और बिना किसी चिंता के पक्षी की तरह उड़ेगा। वह चाहते थे कि लोग हर चीज से अलग हो जाएं, जो सुख देता है और इच्छा पैदा करता है उसे छोड़ दें।	
32.	**निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** यह उद्धरण कराइक्काल अम्मइयार की कविता से लिया गया है, जहाँ वे स्वयं का वर्णन कर रही हैं: **एक राक्षसी?** राक्षसी, फूली हुई नाड़ियों वाली बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा उदर लाल केश और आगे निकले दाँत, लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई है। वन में विचरते समय चीखना और क्रंदन यह अलंकटु का वन है, जो हमारे पिता (शिव) का घर है। वह नृत्य करते हैं...... उनके जटाजूट आठों ओर बिखर जाते हैं। उनके अंग शांत हैं। **(पृष्ठ सं.-145)** **(31.1) कराइक्काल अम्मइयार के द्वारा सौंदर्य को किस प्रकार व्यक्त किया गया है? (1)** **उत्तर:** कराइक्काल अम्मइयार के द्वारा सौंदर्य को राक्षसी के रूप में व्यक्त किया गया है। **(31.2)'फूली हुई नाड़ियों वाली, बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा उदर लाल केश और आगे निकले दाँत, लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई है। 'दिए गए पद्यांश में कवि की स्थिति का कारण बताइए। (2)** **उत्तर:** कवि भगवान् शिव की भक्ति में पागलों की तरह लीन होकर उन्हें चीखते-चिल्लाते हुए अलंकटु के वन में ढूँढती फिर रही है। यही कारण है कि उसकी स्थिति उपरोक्त वर्णित रूप -'फूली हुई नाड़ियों वाली, बाहर निकली आँखें, सफेद दाँत और भीतर धँसा उदर लाल केश और आगे निकले दाँत, लंबी पिंडली की नली जो टखनों तक फैली हुई है' में परिवर्तित हो गई है।	**1+2+1=4**

	(31.3) 'उनके जटाजूट आठों ओर बिखर जाते हैं। उनके अंग शांत हैं।' पद्यांश की परख कीजिए। (1) **उत्तर:** यह वाक्यांश भगवान शिव को अलंकटु में नृत्य करते हुए दर्शाता है, जहाँ नृत्य करते हुए उनके उलझे हुए बाल आठों दिशाओं में फैले हुए हैं एवं उनके अंग स्वतंत्र रूप से हवा में घूम रहे हैं।	
33.	**निम्नलिखित स्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **"अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए"** **सरदार वल्लभ भाई पटेल ने कहा था:** यह दोहराने का कोई मतलब नहीं है कि हम पृथक निर्वाचिका की माँग इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हमारे लिए यही अच्छा है। यह बात हम बहुत समय से सुन रहे हैं। हम सालों से यह सुन रहे हैं और इसी आंदोलन के कारण अब हम एक विभाजित राष्ट्र हैं...। क्या आप मुझे एक भी स्वतंत्र देश दिखा सकते हैं जहाँ पृथक निर्वाचिका हो? अगर आप मुझे दिखा दें तो मैं आपकी बात मान लूँगा। लेकिन अगर इस अभागे देश में विभाजन के बाद भी पृथक निर्वाचिका की व्यवस्था बनाए रखी गई तो यहाँ जीने का कोई मतलब नहीं होगा। इसलिए मैं कहता हूँ कि यह सिर्फ मेरे भले की बात नहीं है बल्कि आपका भला भी इसी में है कि हम अतीत को भूल जाएँ। एक दिन हम एकजुट हो सकते हैं...। अंग्रेज़ तो चले गए, मगर जाते-जाते शरारत का बीज बो गए हैं। हम इस शरारत को और बढ़ाना नहीं चाहते। (सुनिए, सुनिए)। जब अंग्रेजों ने यह विचार पेश किया था तो उन्होंने यह उम्मीद नहीं की थी कि उन्हें इतनी जल्दी भागना पड़ेगा। उन्होंने तो अपने शासन की सुविधा के लिए यह किया था। खैर, कोई बात नहीं। मगर अब वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं। अब हम इससे बाहर निकलेंगे या नहीं?.. (संविधान सभा बहस, खंड 5) **(पृष्ठ सं.-328)** **(33.1) 'वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं।' इस कथन में 'वे' किसकी ओर इंगित करता है? (1)** **उत्तर:** अंग्रेज़ (ब्रिटिश) **(33.3) 'वे अपनी विरासत पीछे छोड़ गए हैं।' इस कथन का क्या तात्पर्य है? (2)** **उत्तर:** अंग्रेज नहीं चाहते थे कि भारतीय एकजुट हों इसलिए उन्होंने अपने आसान प्रशासन के लिए फूट डालो और राज करो की नीति लागू की। उन्होंने समाज को विभाजित कर दिया जिसने लोगों एवं पूरे राष्ट्र के जीवन को प्रभावित किया।इसलिए इससे बाहर निकलने की आवश्यकता पर जोर दिया गया। **(33.3) सरदार वल्लभ भाई पटेल द्वारा भाषण में बलपूर्वक दिए गए संदेश की पहचान कीजिए? (1)** **उत्तर:** वह हमारे देश के लोगों से आग्रह कर रहे थे कि वे अंग्रेजों द्वारा छोड़ी गई 'फूट डालो और राज करो' की नीति को न अपनाएं।	**1+2+1=4**
	खण्ड- ङ **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**	**3+2=5**

34.	**(34.1) भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिए और उनके नाम लिखिए-** (क)एक हड़प्पा स्थल- कालीबंगा (ख)बाबर, अकबर एवं औरंगज़ेब के अधीन एक क्षेत्र- आगरा (ग) एक बौद्ध स्थल – साँची **अथवा** (घ) एक बौद्ध स्थल- अजंता	**1+1+1=3**
	(34.2) भारत के इसी राजनीतिक रेखा मानचित्र पर दो स्थानों को A और B से अंकित किया गया है जो राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित स्थल हैं। उनको पहचानिए एवं उनके सही नाम उनके निकट खीची गई रेखाओं पर लिखिए। **क.** अमृतसर **ख.** चंपारण	**1+1=2**
	नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न सं. 34 के स्थान पर है:	**5x1=5**
	(34.1) हड़प्पा काल के किन्हीं दो स्थलों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर:** हड़प्पा, बनवाली, कालीबंगा, बालाकोट, राखीगढ़ी, धौलावीरा, नागेश्वर, लोथल, मोहनजोदड़ो, चन्हूदड़ो, कोटदीजी (कोई दो)	**1+1=2**
	(34.2) (अ) अशोक के साम्राज्य के अंतर्गत आने वाले किसी एक क्षेत्र का उल्लेख कीजिए। **उत्तर:** दिल्ली, आगरा, पानीपत, आमेर, अजमेर, लाहौर, गोवा। (कोई एक)	**1**
	अथवा	
	(34.2) (आ) वृहदेश्वर मंदिर कहाँ स्थित है? **उत्तर:** तंजावुर	**1**
	(34.3) गाँधी ज़ी के आंदोलन से संबंधित किहीं दो केन्द्रों का उल्लेख कीजिए। **उत्तर:** चम्पारण, खेड़ा, अहमदाबाद, बनारस, अमृतसर, चौरीचौरा, लाहौर, बारदोली, दांडी, बॉम्बे (मुंबई),कराची (कोई दो)	**1+1=2**

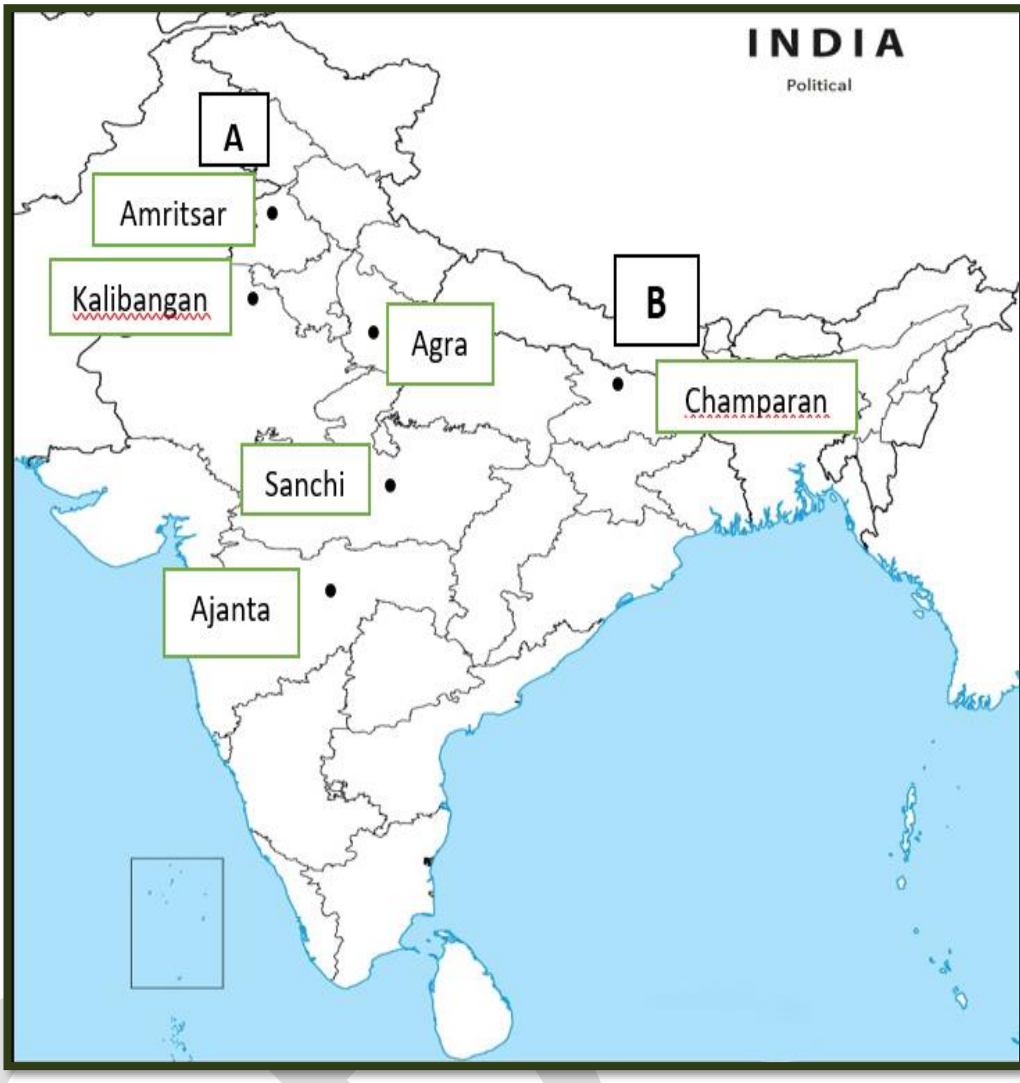
INDIA
Political
A
Amritsar
Kalibangan
Agra
B
Champaran
Sanchi
Ajanta